

| पृष्ठस्य पङ्क्तौ | पृष्ठस्य पङ्क्तौ |
|---|-----------------------------------|
| वक्राद्यौचित्येन रचना- स्थानम् ... ४६९ ९ | रूपकभेदाख्यानम् ... ५२२ ३ |
| दशमपरिच्छेदे— | परिणामः ... ५२७ १० |
| अलंकाराः ... ४७१ ३ | संदेहः ... ५३० १० |
| पुनरुक्तवदाभासः ... ४७३ १ | भ्रान्तिमान् ... ५३२ ५ |
| अनुप्रासः ... ४७४ १ | उल्लेखः ... ५३३ १ |
| छेकानुप्रासः ... ४७५ १ | अपह्नुतिः ... ५३६ १ |
| वृत्त्यनुप्रासः ... ४७५ १० | निश्चयः ... ५३७ १४ |
| श्रुत्यनुप्रासः ... ४७६ ७ | उत्प्रेक्षा ... ५३९ ४ |
| अन्त्यानुप्रासः ... ४७७ १ | उत्प्रेक्षाभेदाख्यानम् ... ५४१ १४ |
| लाटानुप्रासः ... ४७७ ९ | अतिशयोक्तिः ... ५४७ १२ |
| यमकम् ... ४७९ ७ | तुल्ययोगिता ... ५५१ ७ |
| वक्रोक्तिः ... ४८३ २ | दीपकम् ... ५५२ ११ |
| भाषासमः ... ४८४ ५ | प्रतिवस्तूपमा ... ५५४ १ |
| श्लेषः ... ४८४ १५ | दृष्टान्तः ... ५५५ १ |
| समङ्गश्लेषः | निदर्शना ... ५५५ १५ |
| असमङ्गश्लेषः } ... ४८९ १ | व्यतिरेकः ... ५५८ ८ |
| समङ्गसमङ्गश्लेषः } | सहोक्तिः ... ५६० ६ |
| चित्रम् ... ४९७ ५ | विनोक्तिः ... ५६२ १ |
| प्रहेलिकाया अलंकारस- | समासोक्तिः ... ५६३ ३ |
| खण्डनम् ... ४९९ ३ | परिकरः ... ५६९ १ |
| च्युताक्षरादिः ... ४९९ ४ | श्लेषः ... ५७० ३ |
| उपमा ... ५०१ १ | अप्रस्तुतप्रशंसा ... ५७१ १ |
| पूर्णोपमा ... ५०४ १ | व्याजस्तुतिः ... ५७७ १ |
| श्रौती उपमा ... ५०४ ५ | पर्यायोक्तम् ... ५७८ ५ |
| आर्थी उपमा ... ५०४ ७ | अर्थान्तरन्यासः ... ५७९ १२ |
| तद्धिते समासे वाक्ये च | काव्यलिङ्गम् ... ५८३ ५ |
| श्रौतार्थोपमाख्यानम् ५०६ ५ | अनुमानम् ... ५८५ १० |
| लुप्तोपमा ... ५०८ ६ | हेतुः ... ५८६ ६ |
| एकदेशविवर्तिन्युपमा ५१७ ६ | अनुकूलम् ... ५८६ १० |
| रसनोपमा ... ५१७ १३ | आक्षेपः ... ५८७ १ |
| मालोपमा ... ५१८ ४ | विभावना ... ५८९ १ |
| अनन्वयः ... ५१९ ५ | विशेषोक्तिः ... ५८९ १० |
| उपमेयोपमा ... ५२० ६ | विरोधः ... ५९० १५ |
| स्मरणम् ... ५२१ २ | असंगतिः ... ५९२ ९ |
| रूपकम् ... ५२१ ११ | विषमम् ... ५९३ ४ |